Toppersnotes®
Unleash the topper in you

UPSC – IAS

सिविल सेवा परीक्षा

संघ लोक सेवा आयोग

सामान्य अध्ययन

पेपर 3 – भाग – 4

आपदा प्रबंधन एवं आतंरिक सुरक्षा

SIERRA INNOVATIONS

IAS

पेपर - 3 भाग - 4

आपदा प्रबंधन

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**आपदा के मूलभूत तत्व** • संकट • खतरा • आपदा • भेद्यता ○ भेद्यता के प्रकार • जोखिम	**1**
2.	**आपदा प्रबंधन** • आपदा प्रबंधन की आवश्यकता • आपदा प्रबंधन चक्र • आपदा प्रबंधन में विभिन्न अभिनेताओं की भूमिका ○ समुदाय ○ मीडिया ○ निजी क्षेत्र • आपदा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की भूमिका ○ आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां और उनका उपयोग	**7**
3.	**अंतरराष्ट्रीय सहयोग** • आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर विश्व सम्मेलन • योकोहामा, जापान, 1994 में प्राकृतिक आपदाओं पर प्रथम विश्व सम्मेलन ○ योकोहामा रणनीति • कोबे में आपदा न्यूनीकरण पर द्वितीय विश्व सम्मेलन, 2005 • सेंडाई में 2015 आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डब्ल्यूसीडीआरआर) पर तीसरा संयुक्त राष्ट्र विश्व सम्मेलन ○ आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क 2015-2030 • आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (UNDRR / UNISDR) • आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर वैश्विक आकलन रिपोर्ट (जीएआर) • वैश्विक आपदा न्यूनीकरण और स्थिति बहाली समूह (GFDRR) • एशियाई आपदा न्यूनीकरण केंद्र (एडीआरसी) • एशियाई आपदा प्रबंध केंद्र (एडीपीसी) • क्षेत्रीय एकीकृत बहु-खतरा पूर्व चेतावनी प्रणाली (RIMES) • अंतरराष्ट्रीय परिचालनात्मक समुद्र विज्ञान प्रशिक्षण केंद्र (ITCOocean) • सार्क आपदा प्रबंधन केंद्र • आपदा जोखिम से संबंधित सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) • पेरिस जलवायु समझौता • आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन • आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए वैश्विक मंच	**18**

	• मानवीय राहत मामलों में समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय(UNOCHA)	
4.	**भारत में आपदा प्रबंधन** • भारत में आपदा प्रबंधन की आवश्यकता • भारत में आपदा प्रबंधन का इतिहास • राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत ढांचा ○ आपदा प्रबंधन प्रभाग, गृह मंत्रालय: ○ राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) ○ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ○ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) ○ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ○ सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) ○ राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) ○ आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए राष्ट्रीय मंच (एनपीडीआरआर) ○ राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) • राज्य स्तर पर संस्थागत ढांचा ○ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ○ राज्य कार्यकारी समिति ○ राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) • जिला और स्थानीय स्तर के अधिकारी ○ जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ○ स्थानीय अधिकारी • आपदा प्रबंधन के लिए वित्तीय संस्थान ○ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया निधि (एनडीआरएफ) ○ राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) ○ प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) ○ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया रिजर्व ○ पीएम - केयर्स फंड • राष्ट्रीय नीतियां और पहल ○ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 ○ आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय नीति (एनपीडीएम), 2009 ○ राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (एनडीएमपी), 2016 • आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचा ○ आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे में संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपाय ○ आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचा के पहलू ○ आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) ○ राहत के न्यूनतम मानक के लिए दिशानिर्देश • भारत में समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन (CBDRM) • विकलांगता समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण ○ विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन ○ विकलांगता समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन दिशानिर्देश • आपदाएं और जानवर ○ पशुओं के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना	**25**
5.	**भारत में प्राकृतिक आपदाएं** • भारत: सुभेद्यता प्रोफ़ाइल • भूकंप	**48**

	○ भूकंप के प्रकार ○ भूकंप का मापन ○ देश के भूकंपीय क्षेत्र ○ भूकंप के प्रभाव ○ भूकंप प्रबंधन चक्र ○ सरकारी प्रयास: ○ वर्तमान विकास • भूस्खलन ○ भारत में भूस्खलन की चपेट में आने वाले क्षेत्र ○ भूस्खलन के कारण ○ भूस्खलन का प्रभाव ○ भूस्खलन प्रबंधन चक्र ○ भूस्खलन को कम करने के सरकारी प्रयास • हिमस्खलन ○ हिमस्खलन के प्रकार ○ हिमस्खलन की विशेषताएं: ○ हिमस्खलन के कारण ○ हिमस्खलन प्रबंधन चक्र ○ हिमपात और हिमस्खलन अध्ययन प्रतिष्ठान (एसएएसई) • ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड ○ GLOF प्रबंधन चक्र ○ भारत में सुनामी प्रवण क्षेत्र ○ सूनामी के कारण ○ सुनामी के प्रभाव ○ सुनामी से निपटने के लिए की गई कार्रवाई ○ सुनामी प्रबंधन चक्र ○ सुनामी के प्रबंधन पर एनडीएमए दिशानिर्देश ○ वर्तमान घटनाक्रम • चक्रवाती तूफान ○ उष्णकटिबंधीय चक्रवातों का वर्गीकरण ○ भारत में चक्रवातों का वितरण ○ चक्रवातों के नाम कैसे रखे जाते हैं? • UN-HABITAT द्वारा प्रस्तावित चक्रवात शमन ○ चक्रवात प्रबंधन चक्र ○ सरकारी उपाय • टोर्नेडो / बवंडर • थन्डर्-स्टॉर्म/ तड़ित-झंझा • हिमझंझावत • ओला-वृष्टि ○ आकाशीय बिजली/ तड़ित/ गाज: एक आपदा ○ आकाशीय बिजली के प्रभाव को कम करने के लिए सरकारी सुरक्षा दिशानिर्देश • बाढ़ ○ बाढ़ की विशेषताएँ ○ बाढ़ के कारण ○ भारत में बाढ़ संभावित क्षेत्र	

	○ बाढ़ के परिणाम ○ बाढ़ प्रबंधन चक्र ○ सरकारी प्रयास ○ शहरी बाढ़: ▪ शहरी बाढ़ प्रबंधन चक्र ○ सरकारी प्रयास • सूखा ○ सूखा संभावित क्षेत्र परिसीमन मानदंड ○ सूखा संभावित क्षेत्रों का क्रमण ○ सूखे की निगरानी के लिए प्रमुख चर ○ आईएमडी द्वारा सूखे की घोषणा ○ सूखे के प्रकार ○ भारत में सूखे की पुनरावृत्ति के कारण ○ सूखे के प्रभाव ○ सूखा प्रबंधन चक्र ○ सूखे की निगरानी के लिए संस्थान ○ सूखा प्रबंधन के बारे में एनडीएमए दिशानिर्देश ○ सूखा प्रबंधन मैनुअल 2016 • दावानल ○ दावानल के प्रकार • भारत में दावानल वितरण • प्रभावी वन प्रबंधन ○ दावानल प्रबंधन चक्र ○ सरकारी प्रयास ○ ग्रीष्म लहर ○ ग्रीष्म लहर के कारण ○ ग्रीष्म लहर का प्रभाव ○ एनडीएमए दिशानिर्देश • ग्रीष्म लहर कार्य योजना	
6.	**भारत में मानव निर्मित आपदाएं** • रासायनिक आपदा ○ भारत में रासायनिक आपदा जोखिम की स्थिति ○ रासायनिक आपदा पैदा करने वाले कारक ○ रासायनिक आतंकवाद ○ रासायनिक एजेंटों के प्रकार ○ भारत में रासायनिक आपदाओं से बचाव के लिए कानून ○ भारत में रासायनिक आपदाओं को रोकने के लिए महत्वपूर्ण नियम ○ आईएलओ की सिफारिशें ○ ऐसी आपदाओं से बचने के उपाय ○ रासायनिक आपदाओं के लिए एनडीएमए दिशानिर्देश ○ दुर्घटनाओं के दौरान और बाद में बरती जाने वाली सावधानियां ○ सामान्य समय के दौरान सामान्य सावधानियां ○ परमाणु आपदा ○ संस्थागत तंत्र ○ परमाणु आपातकालीन प्रबंधन चक्र	**113**

	○ अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ○ जैविक आपदाओं का वर्गीकरण ○ जैव युद्ध ○ जैव हथियार ○ जैव मॉनिटरन/ जैव अनुवीक्षण / बायोमॉनिटरिंग ○ भारत में जैविक आपदा से संबंधित कानून ○ जैविक खतरों की रोकथाम ○ संस्थागत ढांचा ○ परिचालन ढांचा ○ जैविक आपदाओं के प्रबंधन पर एनडीएमए दिशानिर्देश: • मरुस्थलीय टिड्डियां ○ टिड्डियों के हमले के लिए अनुकूल परिस्थितियां ○ नियंत्रण उपाय • तेल रिसाव ○ परिणाम: ○ राष्ट्रीय तेल रिसाव आपदा आकस्मिक योजना • परिवहन दुर्घटनाएं ○ सड़क दुर्घटनाएं आपदाएं: ○ सरकारी प्रयास ▪ सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश • विमानन दुर्घटनाएं: • रेल दुर्घटनाएं: • समुद्री आपदा: ○ परिवहन आपदा प्रबंधन चक्र • युद्ध और सशस्त्र संघर्ष प्रेरित आपदाएं	
7.	**प्रमुख आपदाएं**	**139**

आतंरिक सुरक्षा

S.No.	Chapter Name	Page No.
1.	**सुरक्षा** • राष्ट्रीय सुरक्षा • खतरों के प्रकार • सुरक्षा के लिए वैश्विक चुनौतियां • गैर-पारंपरिक सुरक्षा मुद्दे ○ खाद्य सुरक्षा ○ जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण प्रदूषण ○ पानी की कमी और प्रदूषण ○ ऊर्जा सुरक्षा मुद्दे ○ सार्वजनिक स्वास्थ्य के मुद्दे: ○ आपदाएं ○ अवैध प्रवास ○ मानव सुरक्षा के मुद्दे	**143**

	○ गरीबी ○ परमाणु सुरक्षा मुद्दे ○ रासायनिक और जैविक हथियारों का प्रसार: ○ आर्थिक सुरक्षा के मुद्दे • बाह्य राज्य और गैर-राज्य अभिकर्ताओं की भूमिका ○ बाह्य-राज्य अभिकर्ताओं द्वारा पेश की गई चुनौतियाँ ○ गैर-राज्य अभिकर्ताओं द्वारा पेश की गई चुनौतियाँ • आंतरिक सुरक्षा ○ आंतरिक खतरों के लिए कारक ○ आंतरिक सुरक्षा के लिए चुनौतियां ○ भारत में आंतरिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अभिकर्ता	
2.	**भारतीय सीमाएँ और उनका प्रबंधन** • सीमा प्रबंधन ○ सीमा प्रबंधन से संबंधित मुद्दे ○ सीमा प्रबंधन के मुद्दों को संबोधित करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका ○ सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी परिनियोजन चुनौतियां ○ भविष्य के पहलू • सीमा अवसंरचना ○ सीमा अवसंरचना की आवश्यकता ○ सीमा अवसंरचना के विकास में सीमाएं ○ सरकारी पहलें ○ सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम (बीएडीपी) • केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPFs) को पुलिसिंग शक्ति ○ ऐसे कदम की आवश्यकता ○ कदम से उठ रहे मुद्दे • भारत की प्रमुख सीमाएँ ○ भारत-पाकिस्तान सीमा ○ भारत-पाक सीमा पर चुनौतियां ○ सीमा प्रबंधन के लिए भारत सरकार की हालिया पहल • भारत-चीन सीमा ○ भारत-चीन सीमा पर चुनौतियां ○ सीमा पर विभिन्न सरकारी पहलें • भारत-नेपाल सीमा ○ भारत-नेपाल सीमा पर चुनौतियां ○ सीमा पर सरकारी पहलें • भारत-बांग्लादेश सीमा ○ भारत-बांग्लादेश सीमा पर चुनौतियां ○ सीमा पर सरकार द्वारा की गई पहल • भारत-म्यांमार सीमा ○ सीमा पर चुनौतियां ○ सीमा पर सरकार द्वारा की गई पहल • भारत-भूटान सीमा ○ सीमा पर चुनौतियां ○ सीमा पर सरकार द्वारा की गई पहल	**154**

3.	**तटीय और समुद्री सुरक्षा**
	• तटीय सुरक्षा
	  ○ भारत के लिए तटीय सुरक्षा का महत्व
	  ○ तटीय सुरक्षा संरचना का विकास
	• मौजूदा संरचना में मुद्दे
	• मौजूदा संरचना में अंतराल को भरने के तरीके
	• समुद्री सुरक्षा
	  ○ समुद्री सुरक्षा के तत्व
	  ○ समुद्री सुरक्षा का महत्व
	  ○ समुद्री सुरक्षा की एजेंसियां और संस्थान
	• खुफिया एजेंसियां
	• अनुसंधान और विकास संगठन
	• तटीय सुरक्षा संरचना
	• इलेक्ट्रॉनिक निगरानी
	• समुद्री सुरक्षा के लिए सरकार की पहल
		170

4.	**आतंकवाद**
	• आतंकवाद के साधन
	• आतंकवाद का वर्गीकरण
	  ○ बाह्य राज्य अभिकर्ताओं द्वारा आतंकवाद
	  ○ गैर-राज्य अभिकर्ताओं द्वारा आतंकवाद
	• आतंकवाद के प्रकार
	• आतंकवाद के कारण
	• भारत में आतंकवाद
	  ○ पाकिस्तान की राज्य नीति के रूप में आतंक
	  ○ भारत में आतंकवाद की श्रेणियाँ
	  ○ 'हॉट परस्यूट' और 'सर्जिकल स्ट्राइक'
	  ○ आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत की रणनीति
	  ○ भारत के आतंकवाद विरोधी उपाय
	• आतंकवाद के लिए वित्तपोषण
	  ○ स्रोत
	• आतंकवाद के वित्तपोषण पर अंकुश लगाने के लिए सरकार के कदम
	• आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए सरकार की पहल
	  ○ विधायी उपाय
	  ○ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) (संशोधन) अधिनियम 2019
	  ○ संस्थागत पहल
	• नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (NATGRID)
	• काउंटर इंसर्जेंसी और एंटी टेररिस्ट गार्ड स्कूल
	• मल्टी एजेंसी सेंटर (मैक) का पुनरुद्धार
		177

5.	**वामपंथी उग्रवाद** • नक्सलबाड़ी घटना • वामपंथी उग्रवाद का विकास • लक्ष्य • नक्सली आंदोलनों का फोकस • नक्सलवाद का आतंकी संगठनों से जुड़ाव • वर्तमान स्थिति	**189**

	• नक्सली आंदोलन की रणनीति • नक्सलियों का राजनीतिक संगठन • फ्रंट संगठन और शहरी उपस्थिति • वामपंथी उग्रवाद के कारण • वामपंथी उग्रवाद का प्रभाव • सरकारी पहल • वामपंथी उग्रवाद से निपटने में समस्याएं 　○ आगे की राह • पूर्वी भारत में उग्रवाद के कारण • उत्तर पूर्व भारत में उग्रवाद के कारण • दक्षिण भारत में उग्रवाद के कारण • उग्रवाद से निपटने के उपाय	
6.	**उत्तर पूर्व में उग्रवाद** • संघर्षों की श्रेणियाँ • उग्रवाद का मूल कारण • उत्तर पूर्व की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि • उत्तर पूर्व में शांति बनाए रखने का महत्व • चरमपंथ के मामले में पूर्वोत्तर राज्यों की स्थिति 　○ नौ सूत्री समझौता (1947) 　○ सोलह सूत्री समझौता (1960) 　○ शिलांग समझौता (1975) 　○ नागा शांति समझौता 2015 • पूर्वोत्तर में प्रमुख उग्रवादी समूह • सरकारी पहलें • संवैधानिक प्रावधान • पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए उठाए गए कदम/योजनाएं • आगे की राह	**198**
7.	**जम्मू-कश्मीर में विद्रोह** • इतिहास 　○ स्वतंत्रता पूर्व संध्या पर कश्मीर • छद्म युद्ध और कश्मीर • कश्मीर और मानवाधिकार • कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ रणनीति में बदलाव • समाचार में मुद्दे 　○ पेलेट गन का प्रयोग 　○ घाटी में पथराव 　○ अफस्पा • सरकारी पहलें • कश्मीर की वर्तमान स्थिति	**211**
8.	**संगठित अपराध** • संगठित अपराधों के प्रकार • भारतीय राज्यों में संगठित अपराध की पैठ • सरकारी पहल	**215**

	○ गैर-कानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम, 1967 ○ राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण अधिनियम, 2008 ○ संस्थागत व्यवस्था • नियंत्रण उपायों को अपनाने में समस्याएं	
9.	**कट्टरतावाद** • कट्टरतावाद के पीछे कारक • कट्टरतावाद के रूप • कट्टरतावाद से निपटने के लिए कदम • हालिया विकास ○ संस्थागत ○ विधायी कार्यवाही • डिजिटल कट्टरतावाद ○ डिजिटल कट्टरतावाद के प्रति भारत की सुभेद्यता ○ डिजिटल कट्टरतावाद को रोकने के लिए कार्य योजना	**220**
10.	**सांप्रदायिकता और सांप्रदायिक हिंसा** • समस्या की प्रकृति • संवैधानिक और कानूनी प्रावधान ○ संवैधानिक प्रावधान ○ आईपीसी के कानूनी प्रावधान • सांप्रदायिक हिंसा पैदा करने वाले कारक • शासन के मुद्दे • सांप्रदायिक हिंसा से निपटने के उपाय ○ निवारक उपाय ○ प्रशासनिक उपाय ○ उपाय जब हिंसा की आशंका हो ○ हिंसा के दौरान किये जाने वाले उपाय ○ हिंसा के बाद के उपाय • भारत में सांप्रदायिक हिंसा की प्रमुख घटनाएं ○ भारत का विभाजन, 1947 ○ 1984 के सिख-विरोधी दंगे ○ 1989 में कश्मीरी हिंदू पंडितों की जातीय सफाई/ का नरसंहार ○ अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस, 1992 ○ असम सांप्रदायिक हिंसा, 2012 ○ मुजफ्फरनगर हिंसा, 2013 ○ नई दिल्ली दंगे, 2020 • सांप्रदायिक हिंसा का प्रभाव • सरकारी पहलें	**223**
11.	**भारत में क्षेत्रवाद** • भारत में क्षेत्रीय आंदोलनों का इतिहास • क्षेत्रीय आंदोलनों के प्रकार • क्षेत्रवाद के विकास के पीछे कारण • क्षेत्रवाद का प्रभाव ○ क्या क्षेत्रवाद राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए खतरा है? • क्षेत्रवाद बनाम राष्ट्रवाद • क्षेत्रवाद से निपटने के सुझाव	**231**

12.	**साइबर सुरक्षा** • महत्वपूर्ण शब्द • साइबरस्पेस का महत्व • भारत में साइबर सुरक्षा • साइबर हमलों के पीछे की मंशा • साइबर हमलों के प्रकार • साइबर सुरक्षा के घटक • साइबर सुरक्षा की आवश्यकता • अतिसंवेदनशील सूचना अवसंरचना (सीआईआई) ○ इसमें शामिल अवसंरचना ○ सीआईआई के लिए जोखिम ○ सीआईआई पर साइबर हमलों का प्रभाव • साइबर आतंकवाद • आतंकवादी द्वारा साइबर स्पेस का उपयोग • भारत की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सरकारी पहल ○ संस्थागत उपाय ○ विधायी उपाय • साइबर सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय पहल • भारत में साइबर सुरक्षा के लिए चुनौतियां • डेटा सुरक्षा ○ डेटा सुरक्षा की आवश्यकता ○ भारतीय पहल • 5जी और साइबर सुरक्षा • आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा	**235**
13.	**आंतरिक सुरक्षा में मीडिया और सोशल नेटवर्किंग साइट्स** • भारत में मीडिया की भूमिका ○ मीडिया द्वारा पालन किए जाने वाले सिद्धांत ○ मीडिया कहाँ गुमराह कर रहा है? -आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा • सोशल मीडिया की विशेषताएं • सोशल मीडिया के आयाम • राष्ट्रीय सुरक्षा पर सोशल मीडिया के प्रभाव • आंतरिक सुरक्षा को सोशल मीडिया से खतरा ○ सोशल मीडिया के उपयोग में अन्य मुद्दे • मीडिया/सोशल मीडिया के कारण हालिया आंतरिक सुरक्षा संकट • सरकारी पहलें • सोशल मीडिया के नियमन की आवश्यकता • सोशल मीडिया के नियमन के मुद्दे • पुलिसिंग में सोशल मीडिया का प्रयोग ○ सोशल मीडिया को पुलिसिंग में ढालने की चुनौतियाँ	**246**
14.	**धन शोधन** • प्रक्रिया • मनी लॉन्ड्रिंग में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक • मनी लॉन्ड्रिंग के प्रभाव ○ आर्थिक प्रभाव ○ सामाजिक प्रभाव	**251**

	○ राजनीतिक प्रभाव • सरकारी पहलें ○ धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) ○ आपराधिक कानून संशोधन अध्यादेश (1944 का XXXVIII) ○ तस्कर और विदेशी मुद्रा जोड़तोड़ (संपत्ति की जब्ती) अधिनियम 1976 ○ वित्तीय आसूचना इकाई IND ○ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) • वैश्विक पहल ○ वित्तीय कार्रवाई कार्य बल ○ अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ): ○ वियना कन्वेंशन: ○ 1990 काउंसिल ऑफ यूरोप कन्वेंशन: ○ अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति आयोग संगठन (IOSCO): ○ संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय	
15.	**पुलिस सुधार** • संगठनात्मक संरचना • पुलिस का विकास • पुलिस के कार्य • पुलिस के संबंध में केंद्र और राज्यों की जिम्मेदारी • पुलिस द्वारा सामना की जाने वाली समस्याएं • मौजूदा पुलिस कार्यप्रणाली में मुद्दे • पुलिस सुधार ○ पुलिस सुधार के मूल सिद्धांत ○ पुलिस सुधार के लिए विभिन्न समितियों का गठन ○ सरकारी पहलें • स्मार्ट पुलिसिंग ○ स्मार्ट पुलिसिंग के लाभ	**255**

1 CHAPTER आपदा के मूलभूत तत्व

संकट

- एक अस्थिर या संकटकालीन समय या स्थिति जिसमें एक निर्णायक परिवर्तन, विशेष रूप से एक अत्यधिक अवांछनीय परिणाम की विशिष्ट संभावना के साथ, आसन्न है ।
- **परिभाषा** - " **एक प्राकृतिक या मानवीय गतिविधि से उत्पन्न होने वाली एक आपात स्थिति जो मानव जीवन और सम्पति के लिए खतरा पैदा कर सकती है** या **सामान्य जीवन में** बड़े पैमाने पर **व्यवधान पैदा कर सकती है**" ।
- संकट को निम्नानुसार **वर्गीकृत** किया जा सकता है:
    1. **प्राकृतिक बलों द्वारा उत्पन्न -**
        - **जलवायु घटनाएँ :** चक्रवात और तूफान (समुद्री क्षरण से जुड़े), बाढ़ और सूखा
        - **भूवैज्ञानिक घटनाएँ :** भूकम्प, सुनामी, भूस्खलन और हिमस्खलन
    2. **पर्यावरण के क्षरण** और पारिस्थितिक संतुलन की गड़बड़ी **द्वारा उत्पन्न,**
    3. औद्योगिक और परमाणु दुर्घटनाओं और अग्नि से संबंधित **दुर्घटनाओं द्वारा उत्पन्न**;
    4. **जैविक गतिविधियों द्वारा उत्पन्न**: सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट, महामारी आदि;
    5. **शत्रु तत्वों द्वारा उत्पन्न:** युद्ध, आतंकवाद, उग्रवाद, विद्रोह आदि;
    6. संचार प्रणाली, हड़ताल आदि सहित **प्रमुख अवसंरचनाओं सुविधाओं के विघटन/विफलता द्वारा उत्पन्न**;
    7. **भीड़ के अनियंत्रित होने से उत्पन्न।**

खतरा

- एक **खतरनाक स्थिति** या **घटना** जो **जीवन को** या **सम्पति** या **पर्यावरण** को **क्षति** पहुँचाती है या **पहुँचाने की संभावना रखती** है।
- **क्षति का** एक **संभावित स्रोत।**
- **पदार्थ, घटनाएँ, या परिस्थितियाँ** खतरा पैदा कर सकते हैं, **यदि उनकी** प्रकृति (चाहे सैद्धांतिक रूप से ही) स्वास्थ्य, जीवन, सम्पति, या किसी अन्य हित को **नुकसान पहुँचाने की है।**

आपदा

संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय (UNISDR) आपदा को इस प्रकार परिभाषित करता है:

- "एक **समुदाय** या **समाज** के **कामकाज में एक गंभीर व्यवधान** जिसमें **व्यापक मानव**, **सामग्री**, **आर्थिक** या **पर्यावरणीय क्षति**और प्रभाव **शामिल** हैं, जो **प्रभावित समुदाय** या समाज **की** अपने **संसाधनों का उपयोग करने की क्षमता से अधिक** है।"
- **UNISDR परिभाषा आपदा के तीन महत्वपूर्ण घटक प्रदान करती है:**
    - **पहला** , लोगों के जीवन में गंभीर व्यवधान या असामान्यता होनी चाहिए;
    - **दूसरा**, समुदाय अपने आप परिणामों से नहीं निपट सकता और;
    - **अंत में,** घटना के परिणामों का सामना एक 'समुदाय' यानी लोगों के एक समूह को करना चाहिए।

भारत के आपदा प्रबंधन अधिनियम में "आपदा", **इस प्रकार परिभाषित किया ''आपदा महाविनाश, कोई दुर्घटना, कोई गंभीर घटना, जिसमें तमाम जानें जाए, मनुष्यों को यातनाए सहनी पडे, उनकी सम्पति को क्षति पहुचें पर्यावरण बिगड़े और लोगो या समुदाय के सामान्य कार्य कलापों में बाधा पड़े।**

आपदा और खतरे के बीच अंतर

	आपदा	खतरा
परिभाषा	एक ऐसी घटना जो ज्यादातर मामलों में अचानक/अप्रत्याशित रूप से घटित होती है और प्रभावित क्षेत्रों में जीवन के सामान्य कार्यप्रणाली को बाधित करती है। इसके परिणामस्वरूप जीवन, सम्पति या पर्यावरण की हानि या क्षति होती है। यह नुकसान स्थानीय प्रभावित आबादी/समाज की सहने की क्षमता से परे है और इसलिए इससे बाहरी मदद की आवश्यकता होती है।	खतरा एक ऐसी स्थिति है जिसमें चोट/जान की हानि या सम्पति /पर्यावरण को नुकसान पहुँचने की संभावना होती है।
घटना	अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में	कम जनसंख्या वाले क्षेत्रों में
तीव्रता	गंभीर परिणाम और अधिक विनाशकारी	किसी आपदा की तुलना में खतरे की गंभीरता कम होती है- कम गंभीर परिणाम।
परिहार	रोका जा सकता है।	अपरिहार्य हो सकता है।
समानताएँ	दोनों अप्रत्याशित रूप से बहुत कम या बिना किसी चेतावनी के आते हैं, नकारात्मक प्रभाव पैदा करते हैं, और इनके खिलाफ तत्काल प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है।	

आपदाओं का वर्गीकरण

- **उत्पत्ति के अनुसार -**
  - **प्राकृतिक आपदा -**
    - आकस्मिक पारिस्थितिक व्यवधान या खतरा
    - प्रभावित समुदाय की समायोजन क्षमता से अधिक गंभीर होती है और इनसे निपटने के लिए बाहरी सहायता की आवश्यकता होती है।
    - प्राकृतिक आपदाओं को मोटे तौर पर निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:
      - ✓ भूभौतिकीय – भूकम्प और ज्वालामुखी विस्फोट;
      - ✓ जल संबंधी - बाढ़;
      - ✓ मौसम संबंधी - तूफान;
      - ✓ जलवायु संबंधी – ग्रीष्म और शीत लहरें और सूखा; तथा
      - ✓ जैविक - महामारी।
  - **मानव निर्मित आपदाएँ -**
    - इसमें खतरनाक सामग्री का रिसाव , आग, भूजल प्रदुषण, परिवहन दुर्घटनाएँ, संरचना विफलताएँ, खनन दुर्घटनाएँ, विस्फोट और आतंकवाद आदि शामिल हो सकते हैं।
- **प्रभावों के अनुसार** – लघु या प्रमुख
- **समय के आधार पर**:
  - **धीमी गति से प्रारंभ होने वाली आपदाएँ :**

- विकसित होने में ज्यादा लम्बा समय लेता हैं ।
- पूर्व चेतावनी प्रणाली द्वारा भविष्यवाणी की जा सकती है।
- उदाहरण - जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, सूखा, मरुस्थलीकरण, मृदा क्षरण आदि।

  - **तीव्र गति से प्रारंभ होने वाली आपदा आपदाएँ :**
    - पूर्व चेतावनियों के बिना अचानक प्रारम्भ ।
    - उदाहरण - आग, आकस्मिक बाढ़, बादल फटना, ज्वालामुखी विस्फोट, भूकम्प आदि।

सुभेद्यता/दुर्बलता

- इसका अर्थ है (एक प्रणाली या एक इकाई की) **प्रतिकूल वातावरण के प्रभावों का सामना करने में असमर्थता ।**
- यह **आपदा के कारण हुए नुकसान को झेलने** के लिए **लोगों की सीमा** को दर्शाता है।
- **UNISDR के अनुसार** सुभेद्यता "विभिन्न भौतिक, सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय कारकों से उत्पन्न होने वाली प्रचलित या परिणामी स्थितियों का एक समूह है, जो आपदा के प्रभाव के विरुद्ध एक समुदाय की संवेदनशीलता को बढ़ाती है।
- **वर्धित सुभेद्यता के लिए जिम्मेदार कारक**
  - **प्राकृतिक कारक**: भू-जलवायु स्थितियां, स्थलाकृतिक विशेषताएँ
  - **मानव-प्रेरित कारक**: जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण, औद्योगीकरण, गैर वैज्ञानिक विकास प्रथाएँ

सुभेद्यता के प्रकार:

	भौतिक सुभेद्यता	**सामाजिक सुभेद्यता**	**आर्थिक सुभेद्यता**	**पर्यावरणीय सुभेद्यता**
अर्थ	भौतिक पर्यावरण पर संभावित प्रभाव	समाज, विशेष रूप से कमजोर वर्गों पर संभावित प्रभाव	आर्थिक सम्पतियों और प्रक्रियाओं पर संभावित प्रभाव	जीवमंडल पर संभावित प्रभाव
प्रत्यक्ष नुकसान	अवसंरचना क्षति	• मौतें और चोटें • रोजगार का नुकसान • बेघर,महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को अधिक जोखिम	• आर्थिक गतिविधियाँ बाधित • उत्पादक मानव पूंजी की हानि • राहत पहुंचाने के लिए आर्थिक बोझ	• अवसादन और प्रदूषण • पारिस्थितिक क्षेत्रों का विनाश
अप्रत्यक्ष नुकसान	मरम्मत और रखरखाव के अभाव में क्षतिग्रस्त अवसंरचना की हानि	• रोग फैलाना • स्थायी विकलांगता • सामाजिक एकता का क्षरण	• महंगाई, बेरोजगारी और गरीबी में वृद्धि • निवेश में कमी • सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में कमी • बीमा क्षेत्र बोझिल	• जैव विविधता को नुकसान

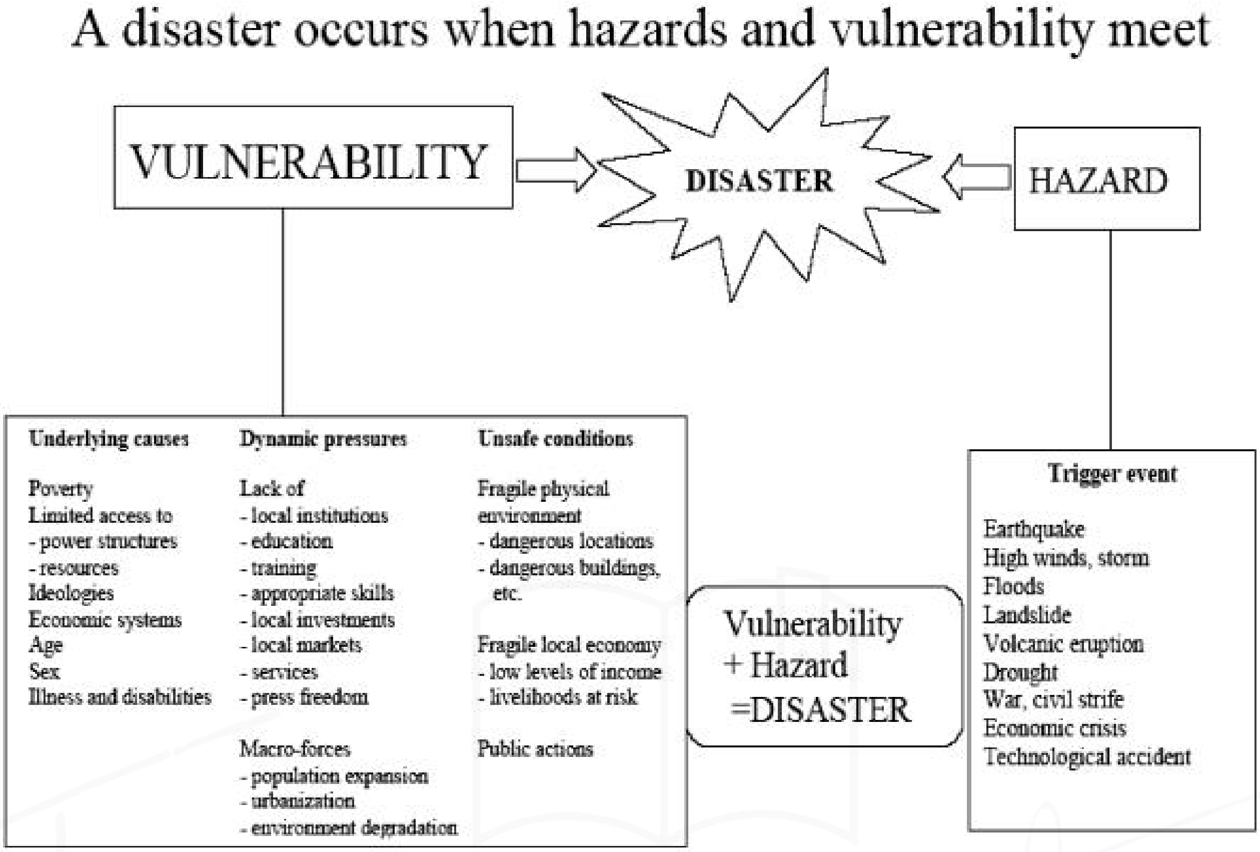

जोखिम

जोखिम "**एक विशिष्ट समय अवधि में** किसी **क्षेत्र में होने वाली एक खतरनाक घटना के कारण अपेक्षित नुकसान का माप** है। जोखिम एक विशेष खतरनाक घटना की संभावना और प्रत्येक के कारण होने वाली हानियों का एक माप है।"

"**खतरा**" और "**जोखिम**" शब्द अक्सर **एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग** किए जाते हैं। **हालांकि**, **जोखिम मूल्यांकन के संदर्भ में**, ये दो बहुत **अलग** शब्द हैं।

- **खतरा** एक ऐसा घटक है जो **मनुष्यों, सम्पति या पर्यावरण को नुकसान या क्षति** पहुँचा **सकता है**।
- **जोखिम** यह **संभावना है** कि **किसी खतरे के सम्पर्क में आने से नकारात्मक परिणाम होगा**।

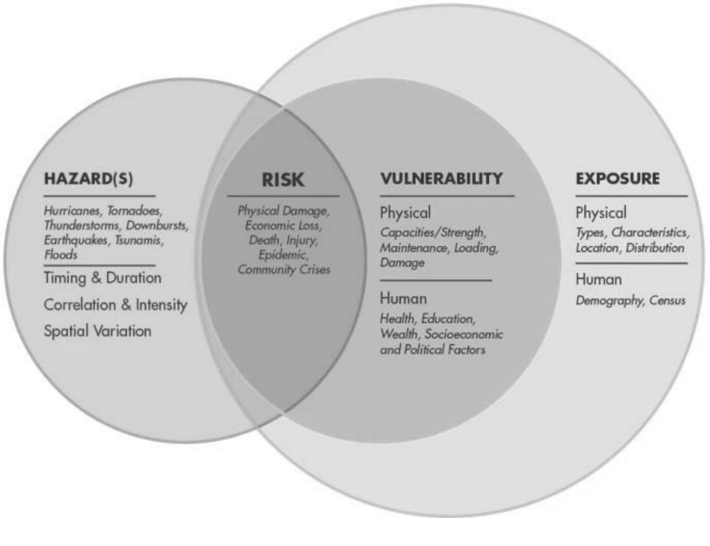

जोखिम = खतरा * सुभेद्यता * सामना करने की क्षमता

- जब **खतरों की आवृत्ति** या गंभीरता **बढ़ती है**, **लोगों की सुभेद्यता बढ़ती है**, और लोगों की सामना करने की क्षमता कम हो जाती है, तब आपदा का जोखिम बढ़ जाता है ।
- यहाँ सामना करने की क्षमता का अर्थ है लोगों, संगठनों और प्रणालियों की क्षमता, उपलब्ध कौशल और संसाधनों का उपयोग करना, प्रतिकूल परिस्थितियों, जोखिम या आपदाओं का प्रबंधन करना।

वैश्विक जलवायु जोखिम सूचकांक, 2021

- **जर्मनवाच द्वारा** प्रतिवर्ष जारी किया जाता है
- **मौसम से संबंधित नुकसान** की घटनाओं (तूफान, बाढ़, गर्मी की लहरों आदि) **के प्रभावों की गंभीरता का विश्लेषण करता है।**
- **मृत्यु और चरम जलवायु घटनाओं के प्रभाव के संदर्भ में** परिणात्मक विश्लेषण करता हैं।
- चल रही **जलवायु नीति वार्ताओं**, विशेष रूप से **अंतर्राष्ट्रीय जलवायु वार्ताओं को प्रासंगिक बनाने** का उद्देश्य से।
- **चार संकेतक**: मरने वालों की संख्या, प्रति 100000 निवासियों पर मृत्यु, पीपीपी में पूर्ण नुकसान और प्रति सकल घरेलू उत्पाद इकाई में नुकसान

रिपोर्ट के मुख्य बिन्दु

- **2019 में सबसे अधिक प्रभावित देश:** मोज़ाम्बिक, ज़िम्बाब्वे और बहामास
- **2000 और 2019 के बीच सबसे अधिक प्रभावित देश:** प्यूर्टो रिको, म्यांमार और हैती
- **2000 और 2019 के बीच नुकसान:** दुनिया भर में 11000 चरम जलवायु घटनाएँ हुईं; 475000 लोगों ने अपनी जान गंवाई और लगभग 2.56 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का (क्रय शक्ति दरों में) आर्थिक नुकसान हुआ
- **तूफान और चक्रवात** 2019 में नुकसान के **प्रमुख कारणों** में से एक थे। दस सबसे अधिक प्रभावित देशों में से छह उष्णकटिबंधीय चक्रवातों से प्रभावित हुए थे।
- **जलवायु परिवर्तन और चरम जलवायु घटनाएँ** उन देशों के लिए सबसे अधिक संकट का कारण बनती हैं जो विकासशील **हैं** और जिनकी **झेलने की क्षमता कम** है। **सबसे अधिक प्रभावित** दस में से आठ **निम्न से निम्न-मध्यम आय वर्ग के हैं।**

रिपोर्ट पर भारत की स्थिति

- **भारत** 16.67 के सीआरआई (CRI) स्कोर के साथ **सातवें स्थान पर** है।
- **2019** में, **मानसून की विस्तारित अवधि** के **परिणामस्वरूप बाढ़ आई**, जिससे 14 राज्यों में 1800 लोगो की मृत्यु हुई; 1.8 मिलियन लोग विस्थापित हुए हुए और लगभग 10 बिलियन डोलर का नुकसान हुआ।
- देश में **2019** में **आठ उष्णकटिबंधीय चक्रवात आए** ; सबसे खतरनाक: "**चक्रवात फनी**" जिसने 28 मिलियन लोगों को प्रभावित किया, 8.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान लिया।

वैश्विक जोखिम रिपोर्ट, 2021

- **विश्व आर्थिक मंच** (WEF) **द्वारा** जारी की गई।
- **उद्देश्य**: 2021 और अगले दशक में COVID-19 महामारी के कारण बढ़ती असमानताओं और बढ़ते सामाजिक विघटन के जोखिमों और परिणामों को उजागर करना।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएँ

- **कोविड-19 का प्रभाव:** भारी तात्कालिक मानवीय और आर्थिक लागत, बढ़ती वैश्विक गरीबी और असमानता, सामाजिक एकता और वैश्विक सहयोग में कमी।
- **जलवायु संबंधी चिंताएँ:** रिपोर्ट ने इन खतरों को मानवता के लिए एक संभावित खतरे के रूप में वर्णित किया है।
- **बढ़ता डिजिटल अंतराल:** त्वरित डिजिटलीकरण के परिणामस्वरूप व्यक्तियों और देशों के बीच डिजिटल अंतर बढ़ रहा है और मौजूदा असमानताएं , ध्रुवीकरण और नियामक अनिश्चितताएँ बढ़ रही है।
- **व्यवसायों पर तीव्र दबाव:** व्यवसाय अंतर्मुखी राष्ट्रीय एजेंडा, बढ़ता बाजार केन्द्रीकरण, और जनसम्बधि निगरानी और अस्थिरता आदि की वजह से बढ़ते दबाव में हैं।

सिफारिशें

- **जोखिम प्रभावों के बारे में समग्र** और सिस्टम-आधारित **दृष्टिकोण** वाला विश्लेषणात्मक ढाँचा तैयार करना।
- **राष्ट्रीय नेतृत्व** और **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग** को **प्रोत्साहित करने के लिए** हाई-प्रोफाइल जोखिम प्रतियोगिताओं में निवेश करना।
- **जोखिम संचार में सुधार** और गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकना।
- **जोखिम प्रबंधन के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी** के नए प्रारूपों की खोज करना।